



सामान्य ज्ञान दर्पण

इस अंक में...

- | | | |
|----|--|---|
| 11 | एक मुस्कान, अनगिनत खुशियाँ
विशेष स्तम्भ | एल. आई. सी. अप्रैलिस विकास अधिकारी
परीक्षा, 2015 |
| 13 | समसामयिक सामान्य ज्ञान | 66 तर्कशक्ति अभियोग्यता |
| 16 | आर्थिक परिदृश्य | 68 सामान्य ज्ञान |
| 19 | राष्ट्रीय परिदृश्य | 70 आंकिक अभियोग्यता |
| 24 | अन्तर्राष्ट्रीय परिदृश्य | 73 English Language |
| 31 | क्रीड़ा जगत् | 75 झारखण्ड एस.एस.सी. आबकारी उपनिरीक्षक/
सहायक उपनिरीक्षक (प्रा.) परीक्षा, 2015 |
| 35 | समसामयिक महत्वपूर्ण तथ्य | 83 उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा, 2015 |
| 36 | अनुप्रेक्ष युवा प्रतिभाएं | 97 उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग
(अनुदेशक कटाई एवं सिलाई), (अनुदेशक पेण्ट
एवं पॉलिस), (अनुदेशक बैंड्स मशीन) परीक्षा,
2015 |
| 39 | विज्ञान समाचार | 104 रेलवे रिक्रूटमेण्ट बोर्ड सामान्य कम्प्यूटर आधारित
परीक्षा, 2016 (गैर तकनीकी श्रेणी)
सामान्य जानकारी |
| 41 | सारभूत तत्व कोष
लेख | 113 युवा कार्य एवं खेल क्षेत्र में प्रोत्साहन सम्बन्धी
गतिविधियों के बढ़ते चरण-एक दृष्टि में |
| 46 | जनसंख्या सम्बन्धी लेख—जनगणना: ऐतिहासिक
सिंहावलोकन | 116 ग्रामीण विकास एवं भूमि संसाधन क्षेत्र में
अनुसंधान, सूचना, शिक्षण तथा प्रबन्धन प्रोग्राम्स |
| 47 | स्थानीय स्वशासन लेख—पंचायती राज और
विकास का स्वरूप | 118 ज्ञान वृद्धि कीजिए |
| 49 | बैंकिंग लेख—सर्वोच्च न्यायालय की चिंता
एनपीए: बैंकों का धन लौटने की उम्मीद बढ़ी | 119 रोजगार समाचार |
| 50 | द्विपक्षीय सम्बन्ध—भारत और संयुक्त अरब
अमीरात के बीच मैत्री और सहयोग की ठोस पहल
हल प्रश्न-पत्र | 121 वार्षिकी |
| 54 | एस.एस.सी. स्टेनोग्राफर (ग्रेड 'सी' व 'डी')
परीक्षा, 2015 | |

सामान्य ज्ञान दर्पण में प्रकाशित किसी भी सामग्री अथवा चित्र के लिए सम्पादक की सहमति होना आवश्यक नहीं है। —सम्पादक

एक मुस्कान, अनगिनत खुशियाँ

—साध्वी वैभवश्री ‘आत्मा’

मुस्कुराहटें मेरी जो देखकर,
मुस्कुरा उठो अगर यूँ आप भी
जीना वही, जीना सही-सही ॥

स्वेट मार्डेन का कहना है कि
“मुस्कुराते हुए प्रसन्न व्यक्ति में
रचनात्मक शक्ति अधिक होती है..”

आत्मज्ञानी श्री विराट गुरुजी की ये
पंक्तियाँ जीवन का सही स्वरूप
'मुस्कुराने' को बताती हैं, अगर हम
मुस्कुराते हुए जीते हैं, तो निश्चित ही
हमारी झोली फूलों से भरी जाएगी. इसके
विपरीत दुःख व उदासी भरे वित्त से जीने
वालों की झोली ऑसुओं से भरी मिलेगी.

अक्सर लोग कहते हैं कि 'दुःख है
इसलिए रोते हैं' किन्तु हकीकत यह है
कि 'वे रोते हैं इसलिए उनके जीवन में
दुःख है.' अगर वे रोना धोना बंद कर
लें, तो अनगिनत खुशियों को देख
पाएंगे, महसूस कर पाएंगे. आप जरा
अपनी मुस्कान दो, तो सही, आपको
लौटकर कई गुना अधिक मुस्कुराहटें
मिलेंगी, चाहे तो आजमा लें.

इंटरव्यू लेने वाले परीक्षकों से एक
बार हमने पूछा कि 'आप किस चीज को
अधिक महत्व देते हैं? परीक्षार्थियों के
वैयक्तिक विवरण को या उसके व्यक्तित्व
को? वे तपाक से बोले कि सबसे पहले
उसके चेहरे की खुशी, प्रसन्नता व आत्म-
विश्वास को, शेष सारी बातें बाद की हैं.
आपका चेहरा आत्मविश्वास व प्रेम को
अभिव्यक्त करता है, अगर आपकी आँखें
खुश हैं, तो निश्चित ही आप खुश किस्मत
हैं, जिसके भी साथ जुड़ोगे उसके लिए
सौभाग्यशाली सावित होंगे. वह तुम्हारे
होने से आसानी से कार्यों को सही अजाम
दे पाएगा. उसको माल के ऑर्डर जल्दी
मिलेंगे, जो मुस्कुराते चेहरे वाला है.

मुस्कान एक संक्रामक अवस्था भी
है, अगर आपके चेहरे पर है, तो आपको
देखने वाले हर चेहरे पर भी आ जाएगी.
हम सभी हँसते-खिलते चेहरे को देखकर
खुश होते ही हैं. न केवल खुश होते हैं
वरन् तनाव के बोझ को भी घटता हुआ
महसूस करने लग जाते हैं. तनाव के
बोझ से मुक्ति का अति महत्वपूर्ण उपाय
मुस्कुराना है.

जिसकी जिंदगी में मुस्कुराहट है,
हर पल उसमें गुणों का संचार होता
जाएगा, उसके दुरुण घटते जाएंगे. जॉन
मेन्सफील्ड का कहना है कि "जो क्षण
प्रसन्नता प्रदान करते हैं, वे हमें बुद्धिमान
भी बनाते हैं."

●●●